[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper: 1474 D Your Roll No.....

Unique Paper Code : 210401

Name of the Course : B.A. (Hons.) Philosophy

Name of the Paper : History of Western Philosophy – II

Semester : IV

Duration: 3 Hours Maximum Marks: 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Attempt FIVE questions in all.

3. All questions carry equal marks.

4. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

- 1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
- 2. कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- 3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
- 1. "Sensible things therefore are nothing else but so many sensible qualities, or combination of sensible qualities." How does Philonus explain that sensible qualities are mind dependent? Give your answer with reference to the First Dialogue.
 - "इन्द्रियों से जानने योग्य वस्तुएँ और कुछ नहीं अपितु बहुत सारे लौकिक गुण या गुणों का संयोग है।" फिलोनस ने (फर्स्ट डायलॉग) में किस प्रकार यह सिद्ध किया है कि लौकिक गुण पूर्णतया मनस अवलम्बी हैं ?
- 2. "The very same arguments which you admitted, as conclusive against secondary qualities, are, without any farther application of force, against the primary too". Has Philonus been successful in rejecting the distinction between primary and secondary qualities?
 - "वही तर्क वितर्क जो सहकारी गुणों के संदर्भ में निश्चित हैं, वही अतिरिक्त शक्ति से प्रधान गुणों के संदर्भ में निश्चित है।" क्या फिलोनस मूल और गौण गुणों के भेद का खंडन करने में सफल हुए हैं?

- 3. "How comes it then, Hylas, that you pronounce me a sceptic, because I deny what you affirm, to wit, the existence of matter?" Examine the arguments given by Philonus to establish immaterialism or rejecting the concept of a material substance.
 - "िकस प्रकार हॉयलस तुम मुझे एक नास्तिक की उपाधि दे रहे हो, क्योंकि मैं द्रव्य या पदार्थ के अस्तित्व का खंडन करता हूँ ।" फिलोनस ने किस प्रकार तर्कों द्वारा द्रव्य के अस्तित्व का खंडन किया है ।
- 4. "Every simple impression is attended with a correspondent idea, and every simple idea with a correspondent impression. From this constant conjunction......I immediately conclude, that there is a great connection betwixt our correspondent impressions and ideas." Explain with reference to Hume's distinction between impressions and ideas in the Treatise.
 - "हर सरल छाप एक कल्पना के साथ सहायक होती है और हर सरल कल्पना एक स्पष्ट छाप के साथ। इस स्थिर संसर्ग से यह अनुमान किया जा सकता है कि हमारे छाप व कल्पना के बीच एक आवश्यक मिलाप है।" इस कथन का हूयम के द्वारा इम्प्रेशन व विचार के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।
- 5. "In advancing we have insensibly discovered a new relation betwixt cause and effect.... This relation is their constant conjunction." Do you think Hume is justified in interpreting causation as constant conjunction?
 - "प्रगति करते हुए एक अक्षम्य रूप में हमने कारण व कार्य के संदर्भ में एक नए संबंध को समझा हैं वह है उनके बीच स्थिर संसर्ग "क्या आपके विचार में हूयम के द्वारा कार्य कारण संबंध को स्थिर संसर्ग के रूप में व्याख्या करना उचित है।
- 6. "My object is to persuade all those who think Metaphysics worth studying, that it is absolutely necessary to pause a moment, to propose first the preliminary question, "whether such a thing as metaphysics be at all possible?" Examine with reference to Prolegomena of Kant.
 - "मेरा उद्देश्य उन सभी को विश्वास दिलाना जो यह विचार रखते हैं कि आत्मतत्वज्ञान अभ्यास करने योग्य है, कि वह क्षण भर के लिए चिंतन करें क्या आत्मतत्व ज्ञान विषय के रूप में संभव होने योग्य हैं ?" इस कथन को कान्ट के प्रोलोगिमिता के संदर्भ में स्पष्ट करें।
- 7. "All metaphysicians are therefore solemnly and legally suspended from their occupations till they shall have answered the question, how are synthetic cognitions a priori possible?" Elucidate the above statement.
 - "सभी तत्वज्ञानी गंभीरता और वैद्य ढंग से अपने व्यवसाय से अधीन जब तक वह इस प्रश्न का उत्तर नहीं देते..... कि प्रागानुभविक संश्लेषण निर्णय किस प्रकार संभव है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।
- 8. Explain Kant's doctrine of space and time as being pure forms of intuition? कान्ट के देश व काल की अवधारणा की विवेचना कीजिए।